

श्री श्रीकार लाल बोरवा: रेलवे की हालत इतनी खराब है कि पीने का पानी तो क्या, लैट्रीन में भी पानी नहीं होता। अभी मंत्री महोदय ने बतलाया कि जल्दी से जल्दी वह इसका इन्तजाम कर रहे हैं। मैं जानना चाहता हूँ कि कब तक इसका इन्तजाम हो सकेगा? जैसे डी लक्स गाड़ियों के अन्दर आपने ठंडे पानी का इन्तजाम किया है उसी तरह से अगर आप तीसरे दर्जे में गरम पानी की टेंकी भी लगाना चाहें तो कब तक इसका इन्तजाम हो सकेगा?

Shri Parimal Ghosh: I cannot give a specific date within which all these arrangements will be completed. But all endeavours will be made to complete this arrangement as early as possible.

श्री शिव नारायण: रेल का किराया छ: गुना बढ़ गया, लेकिन सरकार पानी का इन्तजाम नहीं कर पा रही है।

एक माननीय सदस्य: आपका ही राज है।

श्री शिव नारायण: क्या आपका राज नहीं है?

Mr. Speaker: You should address the Chair. The moment a chance is given to you, you want to fight with them. You put a question.

श्री शिव नारायण: मैं आपके द्वारा सरकार से जानना चाहता हूँ कि पानी जैसी चीज का जिसका कोई दाम नहीं देना पड़ता, इन्तजाम करने में सरकार को क्या आपत्ति है?

Shri Parimal Ghosh: As I have already said, all arrangements are being made.

श्री रामावतार शास्त्री: आप जब पानी की बात कर रहे हैं तो उस सिलसिले में मैं बतलाना चाहता हूँ कि पूर्वी रेलवे पर जो शान्ता रेलवे स्टेशन है वहाँ पर आम

जनता और मजदूरों को जो पानी सप्लाई किया जाता है वह बहुत गन्दा होता है। कई बार इसकी तरफ ध्यान दिलाया गया। अतः मैं जानना चाहता हूँ कि उस पानी को ठीक करने के लिये क्या अब तक कोई व्यवस्था की गई है। अगर नहीं की गई है तो कब तक की जाने वाली है?

Shri Parimal Ghosh: The question here is about providing water to the compartments. We are not discussing here the question of providing water for a particular station.

श्री रामावतार शास्त्री: क्या स्टेश पर लोगों को पानी नहीं मिलना चाहिये?

पूर्वोत्तर रेलवे स्टेशनों पर पानी की कमी

\* 1443. श्री विभूति मिश्र :

श्री क० ना० तिबारी :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 17 अप्रैल, 1967 के 'इंडियन नेशन' समाचारपत्र के प्रातः संस्करण में "पूर्वोत्तर रेलवे में पानी की समस्या" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित एक लेख की ओर सरकार का ध्यान दिलाया गया है;

(ख) यदि हाँ, तो क्या यह सच है कि सोनपुर, हाजीपुर, थाना मीरपुर, गरहटा, समस्तीपुर, सीवन, कटिहार तथा भटनी रेलवे स्टेशनों में पानी की अत्यधिक कमी है; और

(ग) यदि हाँ, तो इन स्थानों में पानी की कमी दूर करने के लिये सरकार क्या योजनाएँ बना रही है?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri S. C. Jamir):

(a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

श्री विभूति मिश्र : मंत्री जी ने जवाब दिया "जी नहीं"। मैं जानना चाहता हूँ कि उन्होंने किस आधार पर ऐसा कहा है। आप अध्यक्ष हैं मैं चाहता हूँ कि सोनपुर, हाजीपुर, समस्तीपुर, कटिहार आदि स्टेशनों पर आप गर्मी के दिनों में स्वयं जा कर देख लें। लोग लोटा लेकर या गिलास लेकर दौड़े दौड़े फिरते हैं और पानी नहीं मिलता। लेकिन मंत्री जी जवाब देते हैं "जी नहीं।"

**The Minister of State in the Ministry of Railways (Shri Parimal Ghosh):** In the context of failure of monsoons, the Railways had already indicated to the N.E. and the North East Frontier Railway to actually assess whether there will be any difficulty in the supply of water to the stations as well as for the locomotives. The sources of water, mostly in the N.E. and the North East Frontier Railway, are tube-wells and tubewells are not very much subjected to the vagaries of monsoons. The Railway authorities indicated that they did not anticipate much inadequacy of water supply because of tubewells.

This particular Question is in reference to a news item that appeared in the *Indian Nation*, as the hon. Member has mentioned, particularly about Sonapur, Katihar and Samastipur. There has been shortage of water in many of the stations, particularly, in Rajasthan and Madhya Pradesh. But, certainly, we did not have any such information about inadequacy of water supply, particularly, in this sector. As regards one station that has been mentioned, that is, Sonapur, the position is that we used to pump water from the river Gandak, in that area, and we used to take supply from one bank of the river to the other, as the river channel shifted to the other bank, the pumping centre was also shifted

to the other side. There had been some difficulty for some time, but after the shifting of the pumping centre, there has been no difficulty, and certainly not to such an extent as to dislocate any of the train service.

श्री विभूति मिश्र : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। पहले मंत्री जी ने कहा कि "जी नहीं।" फिर मंत्री जी ने कहा कि दिक्कत कुछ दिनों रही। यह दोनों बातें क्या आपस में कंट्राडिक्टरी नहीं हैं? दोनों मंत्रियों के जवाब में कंट्राडिक्शन है। आखिर दुरुस्त बात क्या है?

अध्यक्ष महोदय : दोनों ठीक हैं। आप दूसरा सवाल कीजिये।

**Shri Parimal Ghosh rose—**

**Mr. Speaker:** He may sit down. He is putting the second question now.

श्री विभूति मिश्र : एन० इ० रेलवे का किराया बड़ी लाइन के किराये के मुकाबले का हो गया है। लेकिन सहूलियत बड़ी लाइन के मुकाबले छोटी लाइन में कम है। बदकिस्मती यह है कि मैं छोटी लाइन के एरिया में रहता हूँ। वहां पर पानी के संकट को दूर करने के लिये क्या सरकार कोई सुनिश्चित व्यवस्था कर रही है। ताकि यात्रियों को पानी का कष्ट न हो, खास कर तीसरे दर्जे के यात्रियों को जो कि अपने बाल बच्चों के साथ चूमते हैं?

**Shri Parimal Ghosh:** Some arrangements have already been made, particularly in the Stations of Bihar. We have already installed an electric pump in that area and we are also trying to replace some of the worn out six-inch pipes by putting new pipes, so that the pressure of the water could be increased. We have also taken up the construction of the overhead tank, so that there may not be any question of scarcity.

श्री क० ना० तिवारी : मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, कटिहार, सोनपुर आदि जगहों में मंत्री महोदय ने कहा कि पानी की दिक्कत नहीं होती है। तो क्या वह पब्लिक जिस किताब पर शिकायत करती है उसको मंगा कर देखेंगे ताकि उनको मालूम हो कि उनके भ्रफसर उनको गलत इनफार्मेशन देते हैं क्योंकि मैंने तीन जगहों में शिकायत लिख कर दी है? मैं जानना चाहता हूँ कि यहां पर जो नदियां हैं उन नदियों से पम्पिंग सेट के कनेक्शन लेकर पानी का इस्तजाम मंत्री महोदय करेंगे ताकि वहां पर पानी की कमी न हो?

**Shri Parimal Ghosh:** It is a suggestion to be considered very seriously.

श्री मोलह प्रसाद : क्या मंत्री महोदय को पता है कि 26 जुलाई के "ग्राज" में प्रकाशित हुआ है कि खड्डा के समीप भेड़िहारी में छिजीनी बांध के रक्षार्थ करोड़ों की लागत से जंा ठांकर तथा रिगबांध बनाये गए, उनके पूर्वी तट पर बड़ा गडक की बाढ़ के कारण तार कटाव हो रहा है, जिससे रेलवे को बड़ा भारी खतरा पैदा हो गया है। अगर मंत्री महोदय का ध्यान इसकी तरफ गया है तो उस पर क्या कार्यवाही हुई है?

**Shri Parimal Ghosh:** I will check up this point. I have not received any information on this.

श्री मोलह प्रसाद : 26 जुलाई के "ग्राज" मखबार में छपा है।

**Shri Bishwanath Roy rose—**

**Mr. Speaker:** I must point out to the hon. Member that he has already put one supplementary question on the previous Question. He will not get any chance now. What about the others who have not put any supplementary question at all? It is not that I did not look at him, but purposely I avoided because he has already put one supplementary question. If he gets up again and again,

it will not be possible for me to call him. I would like to warn my hon. friends not to get up again and again like that; I will not be able to call them. I will pick up somebody who has not put any supplementary question at all.

#### Selling of Fake Railway Tickets

\*1444. **Shri Ram Kishan Gupta:**  
**Shri R. K. Sinha:**  
**Shri Vishwa Nath Pandey:**

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that fake Railway tickets are being sold in different parts of the country; and

(b) if so, the efforts made to recover these tickets and to arrest the culprits?

**The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri S. C. Jamir):** (a) Two cases of printing of fake railway tickets which were being sold in the Assam, Bengal, Bihar and U. P. regions have been detected.

(b) In both the cases the culprits have been arrested by the Police and the tickets in their possession had been recovered.

श्री राम कृष्ण गुप्त : जो गिरफ्तारियां हुई हैं उनमें क्या रेलवे का कोई कर्मचारी भी शामिल है ?

**The Minister of State in the Ministry of Railways (Shri Parimal Ghosh):** During the last year we have detected one case particularly in the Calcutta area in connection with these forged tickets. Our information so far in this case is that some of the forged tickets have been taken out from the Eastern Railway printing press, probably with the connivance of some of the railway staff and also the printing press staff. It is very much in evidence that some of the railway staff are definitely involved in this matter.